प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संस्कृत विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के अनुरूप

स्नातक (B. A.) संस्कृत पाठ्यक्रम (प्रथम तीन वर्षों के लिये)

बी. ए. प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर-

प्रथम प्रश्नपत्र – संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण कोड– A020101T

द्वितीय सेमेस्टर-

प्रथम प्रश्नपत्र – संस्कृत गद्य साहित्य एवं अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग कोड- A020201T

बी. ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर-

प्रथम प्रश्नपत्र - संस्कृत नाटक एवं व्याकरण कोड- A020301T

चतुर्थ सेमेस्टर-

प्रथम प्रश्नपत्र - काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल कोड- A020401T

बी. ए. तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर-

प्रथम प्रश्नपत्र– वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन कोड– A020501T

द्वितीय प्रश्नपत्र– व्याकरण एवं भाषाविज्ञान कोड– A020502T

षष्ठ सेमेस्टर-

प्रथम प्रश्नपत्र– आधुनिक संस्कृत साहित्य कोड– A020601T

द्वितीय प्रश्नपत्र– (वैकल्पिक) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा कोड– A020602T

अथवा

पंचम प्रश्नपत्र– (वैकल्पिक) ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त कोड– A020603T

विषय– संस्कृत (स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान् व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासङ्गिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकाण्ड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तद्गिहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वाङ्गीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Programme / Class : Certificate **कार्यक्रम / वर्ग / सर्टिफिकेट**	**Year : First** **वर्ष : प्रथम**	**Semester : I** **सेमेस्टर प्रथम**
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020101T	**प्रथम प्रश्नपत्र का शीर्षक : संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनमें नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकास होगा।
- स्वर एवं व्यञ्जन के मूल भेद को समझकर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यञ्जन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit **ईकाई**	**Topics** **पाठ्य–विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	**क** : संस्कृत वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान–विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव – वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, योग, आयुर्वेद, इत्यादि का सामान्य परिचय **ख** – संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय एवं पद्य काव्य की परम्परा – प्रमुख आचार्य– महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि भारवि, महाकवि माघ	3 6
II	किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग –1 से 20 श्लोक (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	08
III	मेघदूतम् – पूर्वमेघ – 1 से 20 श्लोक (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	09
IV	नीतिशतकम् – प्रथम सर्ग – श्लोक संख्या 1 से 20 (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	06
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	09
VI	अच् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक संधि एवं संधि–विग्रह)	13
VII	हल् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक संधि एवं संधि–विग्रह)	12

VIII	विसर्ग संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक संधि एवं संधि–विग्रह)	09
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), प्रो. रामसेवक दूबे, अभिनव पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रकाशन, इलाहाबाद
- मेघदूतम् – पूर्वमेघ, तारिणीश झा, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- मेघदूतम् – पूर्वमेघ, वैद्यनाथ शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या.) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम्, तारिणीश झा, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा, संधि प्रकरण), प्रो. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

Programme / Class : Certificate कार्यक्रम / वर्ग / सर्टिफिकेट	Year : First वर्ष : प्रथम	Semester : II सेमेस्टर द्वितीय

विषय : संस्कृत

प्रश्नपत्र कोड : A020201T	प्रथम प्रश्नपत्र का शीर्षक : संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- ई–कन्टेन्ट एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत भाषा और साहित्य के नित–नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्वज्ञानकोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
- पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्ध करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास : प्रमुख साहित्यकार– बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्तव्यास, पण्डिता क्षमाराव	10
II	शुकनासोपदेश – हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद	14
III	शिवराजविजयम्– प्रथम निःश्वास – हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद	14
IV	उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	अनुवाद– हिन्दी से संस्कृत में (नियम निर्देश पूर्वक)	06
VI	शुकनासोपदेश एवं शिवराजविजय से सूक्तियों की व्याख्या	05
VII	कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर	08
VIII	इन्टरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च– ई टेक्स्ट, ई–बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैग्जीन, डिजिटल लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफार्म– जूम, टीम, मीट, वेबैक्स	08
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- शुकनासोपदेश, तारिणीश झा, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- शुकनासोपदेश, राजदेव मिश्र, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या
- शिवराजविजयम्, राजदेव मिश्र, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या
- शिवराजविजयम्, डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी

- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011
- संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका, डॉ. बाबूराम सक्सेना, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इन्दौर
- कम्प्यूटर फण्डामेण्टल, पी. के. सिन्हा, वी. पी. बी. पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपतराय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :……

Programme / Class : Diploma कार्यक्रम / वर्ग / डिप्लोमा	Year : Second वर्ष : द्वितीय	Semester : III सेमेस्टर तृतीय
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020301T	**प्रथम प्रश्नपत्र का शीर्षक : संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलङ्कारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारङ्गत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर भारतीयता के गर्व से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरणपरक शब्दों की सिद्ध प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार : भास, अश्वघोष, भट्टनारायण, विशाखदत्त	09
II	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से द्वितीय अंक)	09
III	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (तृतीय से चतुर्थ अंक)	09
IV	उत्तररामचरितम् (तृतीय अंक)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	रूप सिद्धि– सामान्य परिचय – अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) पुल्लिङ्ग– राम, हरि – सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	09
VI	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) –स्त्रीलिङ्ग– रमा, मति – सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि नपुंसकलिङ्ग– ज्ञान, वारि – सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	11
VII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) – पुल्लिङ्ग– इदम्, अस्मद् – सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	11
VIII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) – स्त्रीलिङ्ग– किम्, इदम् सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि नपुंसकलिङ्ग– इदम् सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	11
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, राजदेव मिश्र, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

- उत्तररामचरितम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- उत्तररामचरितम्, डॉ. तारिणीश झा, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा, संधि प्रकरण), प्रो. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Diploma कार्यक्रम / वर्ग / डिप्लोमा	Year : Second वर्ष : द्वितीय	Semester : IV सेमेस्टर : चतुर्थ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020401T	प्रथम प्रश्नपत्र का शीर्षक : काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छन्दभेद और उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलङ्कारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौन्दर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
- शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
- अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा तथा प्रमुख काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं आचार्य– भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन, मम्मट, विश्वनाथ	10
II	साहित्य–दर्पण (1-2 परिच्छेद)	10
III	छन्द (छन्दोमञ्जरी से अधोलिखित छन्द) – अनुष्टुप्, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजङ्गप्रयात, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा	10
IV	अलङ्कार (साहित्यदर्पण से अधोलिखित अलङ्कार) – अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान्, दृष्टान्त, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति, काव्यलिङ्ग	10
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	निबन्ध – (संस्कृत भाषा)	05
VI	पत्र–व्यवहार	10
VII	समसायिक विषयों पर समाचार लेखन	10
VIII	अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर	10
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- साहित्यदर्पण (कविराज विश्वनाथ), सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

- साहित्यदर्पण, डॉ. कमला देवी, शारदा प्रकाशन, प्रयागराज
- साहित्यदर्पण, डॉ. अनुराग शुक्ल, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या
- साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह, प्रकाशक केन्द्र, लखनऊ
- छन्दोमञ्जरी, गंगादास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, प्रो. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन
- छन्दोऽलङ्कारप्रवेशिका, डॉ. दिनेश प्रसाद तिवारी, महाकाली प्रकाशन, कानपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011
- संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका, डॉ. बाबूराम सक्सेना, रामनारायण लाल विजयकुमार वेणी माधव प्रकाशन, प्रयागराज
- संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- संस्कृत निबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites : **सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)**

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Second वर्ष : तृतीय	Semester : V सेमेस्टर : पञ्चम
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020501T	प्रथम प्रश्नपत्र का शीर्षक : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
- औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा। वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निर्दशन होगा।
- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
- गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्ग)	09
II	ऋग्वेद संहिता– अग्नि सूक्त (1.1), विष्णु सूक्त (1.154), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), वाक् सूक्त (10.125)	09
III	यजुर्वेद संहिता– शिव सङ्कल्प सूक्त – अध्याय 34 (1 से 6 मन्त्र) अथर्ववेद संहिता– पृथ्वीसूक्त (12.1 - 1 से 12 मन्त्र)	09
IV	ईशावास्योपनिषद् (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय – दर्शन का अर्थ एवं महत्त्व नास्तिक दर्शन– चार्वाक, जैन एवं बौद्ध आस्तिक दर्शन– न्याय, वैशेषिक, साङ्ख्य, योग, मीमांसा एवं वेदान्त (परिचयात्मक प्रश्न)	09
VI	श्रीमद्भगवद्गीता– द्वितीय अध्याय (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	10

VII	तर्कसङ्ग्रह (आरम्भ से प्रत्यक्ष खण्ड पर्यन्त)	10
VIII	तर्कसङ्ग्रह (अनुमान से शब्द प्रमाण पर्यन्त)	10
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज
- ईशावास्योपनिषद् (शाङ्करभाष्य), गीताप्रेस गोरखपुर, 1994
- ऋक्सूक्त सङ्ग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- वैदिकसूक्तसंकलन, विजयशङ्कर पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- वेदमञ्जरी, सिद्धनाथ शुक्ल, अनुराग प्रकाशन, इलाहाबाद
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता, प्रो. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज
- श्रीमद्भगवद्गीता, डॉ. राजदेव मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, प्रो. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज
- तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- भारतीय दर्शन, दत्ता एवं चटर्जी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, बिहार
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, डॉ. राममूर्ति पाठक, शारदा प्रकाशन, प्रयागराज
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites : **सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)**

……

Suggested equivalent online courses :……

Further Suggestions :……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Second वर्ष : तृतीय	Semester : V सेमेस्टर : पञ्चम
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020502T	द्वितीय प्रश्नपत्र का शीर्षक : व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
- भाषा एवं भाषाविज्ञान की उपयोगिता एवं महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
- ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	धातुरूपसिद्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी) भू, एध् – पञ्चलकार – लट् , लोट् , लङ् , विधिलिङ् एवं लृट् (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	11
II	सिद्धान्तकौमुदी – कारकप्रकरण	16
III	कृदन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) – कृत्य – तव्यत्, अनीयर्	06
IV	कृत् – तुमुन् , क्त्वा / ल्यप्	06
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	समास प्रकरण – समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी) भेद, परिभाषा एवं उदाहरण	09
VI	स्त्री–प्रत्यय (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	09
VII	भाषा एवं भाषाविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषाविज्ञान का क्षेत्र, अङ्ग एवं उपादेयता, प्राचीन भारत में भाषावैज्ञानिक कार्य	09
VIII	अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भारोपीय भाषा परिवार, भारत–ईरानी परिवार, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में साम्य एवं वैषम्य	09
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- सिद्धान्तकौमुदी, आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद

- सिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा भारती प्रकाशन, वाराणसी
- सिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द घिल्डियाल, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा, संधि प्रकरण), प्रो. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. मनीष पाण्डेय एवं डॉ. सन्तोष पाण्डेय, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- स्त्रीप्रत्यय प्रकरण, डॉ. मनीष पाण्डेय एवं डॉ. सन्तोष पाण्डेय, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010
- भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
- भाषाविज्ञान, डॉ. कर्ण सिंह, मेरठ प्रकाशन

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020601T	प्रथम प्रश्नपत्र का शीर्षक : आधुनिक संस्कृत साहित्य	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।
- नवीन बिम्ब विधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य के बाल–साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत–शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत–साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत–साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय – जगन्नाथ पाठक, इच्छाराम द्विवेदी, राधावल्लभ त्रिपाठी, बच्चूलाल अवस्थी, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, रेवाप्रसाद द्विवेदी	10
II	आधुनिक महाकाव्य – उत्तरसीताचरितम् (सप्तम सर्ग, विद्याधिगमः) – प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी – हिन्दी अनुवाद / व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	10
III	आधुनिक खण्डकाव्य (पद्यकाव्य) – प्रतापविजयः (श्लोक संख्या 01 से 05 एवं श्लोक संख्या 26 से 59) – ईशदत्त – हिन्दी अनुवाद / व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	09
IV	आधुनिक–नाटक – छत्रपतिसाम्राज्यम् (प्रथम अङ्क)– श्रीमूलशङ्करमाणिकलाल "याज्ञिक", हिन्दी अनुवाद / व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	संस्कृत उपन्यास – शिवराजविजय (द्वितीय निःश्वास) – पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, हिन्दी अनुवाद एवं समीक्षात्मक प्रश्न	09
VI	संस्कृत गीतिकाव्य– भाति मे भारतम् (1 से 25 श्लोक) – डॉ. रमाकान्त शुक्ल, हिन्दी अनुवाद / व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	10
VII	संस्कृत कथा – इक्षुगन्धा (शतपर्विका) प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र	09
VIII	संस्कृत सुभाषित – दीपमालिका (प्रथममालिका), पण्डित वासुदेव द्विवेदी शास्त्री	09
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, जगन्नाथ पाठक सप्तम खण्ड– आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण, 2000
- प्रतापविजय – ईशदत्त, सम्पादक श्रीभोलाशंकर मिश्र, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी–5
- उत्तरसीताचरितम् – प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- उत्तरसीताचरितम् – प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थानम् वाराणसी – 5
- छत्रपतिसाम्राज्यम्– श्रीमूलशङ्करमाणिकलालयाज्ञिक, (व्याख्या.) डॉ. नरेश झा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- भाति मे भारतम् – डॉ. रमाकान्त शुक्ल, देववाणी परिषद्, दिल्ली
- दीपमालिका, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम्, वाराणसी
- शिवराजविजयम् उपन्यास, – पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, डॉ. देवनारायणमिश्र, साहित्य भण्डार मेरठ
- शिवराजविजयम् उपन्यास, – पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, डॉ. दिनेश प्रसाद तिवारी, महाकाली प्रकाशन, कानपुर
- इक्षुगन्धा (शतपर्विका) प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत साहित्य, सन्दर्भ सूची, (सम्पादक) राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजूलता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites : **सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)**

……

Suggested equivalent online courses :

…….

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020602T	प्रश्नपत्र का शीर्षक : द्वितीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भारतीय योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
- योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तो को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
- योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
- योग के आसनों के सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक दोनो पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	योग की भारतीय अवधारणा : उपयोगिता, प्रमुख आचार्य एवं ग्रन्थ	10
II	योगसूत्र– समाधिपाद (सूत्र 1 से 29 तक)	10
III	योगसूत्र– साधनपाद (सूत्र 29 से 55 तक)	10
IV	योगसूत्र– विभूतिपाद (सूत्र 1 से 15 तक)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	घेरण्ड संहिता– प्रथमोपदेश – षट्कर्मसाधनप्रकरण (श्लोक 1 से 32)	09
VI	घेरण्ड संहिता– प्रथमोपदेश – षट्कर्मसाधनप्रकरण (श्लोक 33 से 60)	09
VII	घेरण्ड संहिता– द्वितीयोपदेश (आसनप्रकरण) सिद्धासन, पद्मासन, भद्रासन, मुक्तासन, वज्रासन, स्वस्तिकासन, सिंहासन, गोमुखासन	09
VIII	घेरण्ड संहिता– द्वितीयोपदेश (आसनप्रकरण) वीरासन, धनुरासन, मृतासन, मत्यासन, पश्चिमोत्तरासन, गरुड़ासन, मकरासन, भुजङ्गासन	09
	कुल व्याख्यान	**75**

संस्तुत ग्रन्थ :

- पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलिकृत योगसूत्र व्यासभाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्तिक सहित (सम्पादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर
- पातञ्जलयोगदर्शनम्, सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- घेरण्ड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामीजी महाराज, पीताम्बरा पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रॉयल बुक कम्पनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रेपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल

- सूर्य किरण चिकित्सा विज्ञान, अमरजीत, खण्डेलवाल प्रकाशन जयपुर
- नेचर क्योर फिलॉसफी एण्ड मेथड्स, पी. डी. मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

अथवा

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020603T	प्रश्नपत्र का शीर्षक : पञ्चम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) – ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भारतीय प्राच्यज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।
- भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- ज्योतिष के विभिन्न सिद्धान्तों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।
- पञ्चाङ्ग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास त्रिस्कन्ध ज्योतिष– सिद्धान्त, संहिता, होरा	09
II	ज्योतिष–चन्द्रिका– संज्ञा प्रकरण (श्लोक 1 से 40)	10
III	ज्योतिष–चन्द्रिका– संज्ञा प्रकरण (श्लोक 41 से 80)	10
IV	ज्योतिष–चन्द्रिका– संज्ञा प्रकरण (श्लोक 81 से 115)	10
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	शीघ्रबोध– प्रथम प्रकरण	09
VI	शीघ्रबोध– द्वितीय प्रकरण	09
VII	शीघ्रबोध– तृतीय प्रकरण	09
VIII	शीघ्रबोध– चतुर्थ प्रकरण	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- ज्योतिष–चन्द्रिका, रेवती रमण शर्मा (संपा.) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली 1996
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, (सम्पा.) खूबचन्द शर्मा गौड़, नवलकिशोर बुक डिपो, लखनऊ
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, (सम्पा.) प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- बृहत्–संहिता, अच्युतानन्द झा, (अनु.) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- बृहत्–संहिता, राधकृष्णन् भट्ट (अनु.) मोतीलाल बनारसीदास, वॉल्यूम 1 एवं 2 दिल्ली
- भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित, (अनु.) शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश
- भारतीय ज्योतिष, नेमीचन्द शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार, देवी प्रसाद त्रिपाठी, दिल्ली
- भुवन कोष, देवीप्रसाद त्रिपाठी, दिल्ली

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध **(OPEN TO ALL)** **…….**
Course prerequisites : सभी के लिये उपलब्ध **(OPEN TO ALL)** **……**
Suggested equivalent online courses : ……
Further Suggestions : ……